लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

बरेली
शुक्रवार, 9 फरवरी 2024
वर्ष 5, अंक 83, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

भारतीय संगीत और कला के संरक्षण में लगी 'रिद्धिमा'

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से संचालित रिद्धिमा का तीसरा स्थापना दिवस मनाया गया
- गुरुओं और विद्यार्थियों ने संगीत, नृत्य और नाटक की प्रस्तुति से समारोह को भावपूर्ण किया

अमृत विचार: एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से थिएटर, कला, संगीत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित ''रिद्धिमा'' का तीसरा स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान संस्थान के गुरुओं और विद्यार्थियों ने संगीत, शास्त्रीय नृत्य और नाटक के माध्यम से मौजूद लोगों को भावों से भर दिया।

ट्रस्ट के संस्थापक देवमूर्ति ने प्रेरणास्रोत स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री समाजसेवी राममूर्ति को याद किया। कहा कि आज उनकी 114वीं जयंती है। संगीत के प्रति उनके लगाव से प्रेरित होकर तीन वर्ष पहले नृत्य, संगीत, कला, अभिनय को समर्पित रिद्धिमा की स्थापना की गई। खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त यह संस्थान भारतीय संगीत और कला को संरक्षित करने में योगदान दे रहा है। वर्तमान में यहां सभी विधाओं में 200 विद्यार्थी शिक्षा हासिल कर रहे हैं।

समारोह में गुरुओं ने सरस्वती वंदना और संस्थान गीत गाया। कथक गुरुओं के साथ विद्यार्थियों ने कदमताल की। भरतनाट्यम के विद्यार्थियों और गुरुओं ने नृत्ता (ग्रामर) और नृत्य (अभिनय) के संयोजन का बेहतरीन प्रदर्शन किया। शास्त्रीय वाद्ययंत्रों का भी वादन किया गया। आओगे जब तुम साजना सहित कई अर्धशास्त्रीय गीतों ने लोगों को मुग्ध कर दिया। रिद्धिमा थिएटर के कलाकारों ने ''तलाश अर्जुन की'' नृत्य नाटिका का मंचन किया।

चित्रकला प्रदर्शनी की शुरुआत उषा गुप्ता ने की। संचालन डा. अनुज कुमार ने किया। समारोह में आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, श्यामल गुप्ता, डा. रजनी अग्रवाल, गुरु मेहरोत्रा, सुरेश सुंदरानी, एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. एमएस बुटोला, डा. आरपी सिंह, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.एलएस मौर्या, डा. रीटा शर्मा, शैली सक्सेना, अजीत सक्सेना व अन्य लोग मौजूद रहे।